

मशरूम की खेती



**राम प्रकाश^{1*}, संजय कुमार²,
प्रेम प्रसाद³**

¹(शोध छात्र), शस्य विज्ञान विभाग
आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं
प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,
कुमारगंज, अयोध्या उत्तर प्रदेश
²(सीनियर रिसर्च फेलो),
आईसीएआर-केंद्रीय मृदा
लवणता अनुसंधान संस्थान
करनाल हरियाणा

³(सहायक शिक्षक), एस.एस.टी.
इंटर कॉलेज नवाबगंज बरेली

मशरूम की खेती व्यवसाय योजना

जब आप मशरूम की खेती जैसे छोटे व्यवसाय को शुरू करने की योजना बनाते हैं तो एक विस्तृत व्यवसाय योजना की आवश्यकता होती है। एक स्पष्ट रणनीति और उद्देश्यों के साथ एक संपूर्ण बजट तैयार करें, जिसमें यह भी शामिल हो कि आप किस प्रकार की खेती करना चाहते हैं और यदि आप घरेलू या अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेचना चाहते हैं।

छोटे पैमाने पर मशरूम की खेती व्यवसाय योजना के लिए, आपको निम्नलिखित बातों पर विचार करने की आवश्यकता है।

- व्यवसाय स्थापित करने के लिए आवश्यक लागत, और इसे चालू रखने में कितना खर्च होता है?
- आपके लक्षित ग्राहकों के लिए मूल्य निर्धारण रणनीति।
- बीजाणुओं और अन्य कच्चे माल की खरीद।
- आप कितने लाभ का अनुमान लगाते हैं?

मशरूम बेचने की आपकी क्या योजना है

मशरूम की खेती का व्यवसाय आपको इस सेटअप की शुरुआत में ही बदले में अच्छी आय उत्पन्न करने में मदद कर सकता है और आपको कम स्टार्ट-अप पूंजीगत व्यय का निवेश करने की आवश्यकता है।

मशरूम अपने अनोखे स्वाद और उनसे मिलने वाले फायदों के कारण भारत के सबसे पसंदीदा खाद्य पदार्थों में से एक है। यह कृषि उद्यमियों के बीच पोषण और औषधीय लाभों और उच्च उपज वाले इनपुट के साथ कम लागत के कारण विकसित हुई है। वे खाद्य, जंगली हैं, और उनमें से कुछ जहरीले भी हो सकते हैं। खाने योग्य मशरूम एक मांसल

मशरूम (बासिडिओमाइकोटा, एगरिकोमाइसिटीस) है जिसके तने, हुड और हुड के नीचे गलफड़े होते हैं। इसमें 90% से अधिक पानी और 1% से कम वसा होता है, यह विटामिन, तांबा और सेलेनियम से भरा होता है और सोडियम में कम होता है। इसका सेवन विभिन्न रूपों में किया जा सकता है जैसे ताजा, अचार, सूखा, पाउडर, डिब्बाबंद आदि।

मशरूम की खेती सबसे सफल कृषि-व्यवसाय में से एक है जिसे शुरू करने के लिए कम पूंजी और कम जगह की आवश्यकता होती है। भारत में कई लोगों के लिए मशरूम की बागवानी आय का एक व्यवहार्य वैकल्पिक स्रोत बन रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, इटली और

नीदरलैंड विश्व स्तर पर मशरूम के प्रमुख उत्पादक हैं। उत्तर प्रदेश भारत में मशरूम की सबसे बड़ी खेती करने वाला राज्य है, इसके बाद त्रिपुरा और केरल का स्थान आता है।

मशरूम उद्योग का विकास

भारत में मशरूम उद्योग लगातार तेज गति से बढ़ रहा है और इसका अधिकांश हिस्सा सफेद बटन मशरूम उगाने पर केंद्रित है क्योंकि यह पूरे बाजार के 75% हिस्से पर कब्जा कर लेता है। इसके बाद सीप मशरूम की गुंजाइश है, और वे 16% बाजार पर कब्जा कर लेते हैं। भारत में सालाना लगभग 94,600 मीट्रिक टन मशरूम की खेती की जाती है।

ऐसा अनुमान है कि भारत में मशरूम की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। यह करीब 25 फीसदी बढ़ रहा है। मांग बेतहाशा बढ़ रही है। बाजार में विदेशी मशरूम की मांग भी बढ़ रही है।

बाजार अनुसंधान

बाजार अनुसंधान ही वह कारण है जिसके कारण हर व्यवसाय सफल या विफल होता है। भारत में किसी भी व्यवसाय में निवेश करने से पहले आपको बाजार अनुसंधान करने की आवश्यकता है। अनुसंधान महत्वपूर्ण है। यह इस व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा है। आपको पहले अपने लक्षित दर्शकों की पहचान करनी चाहिए और पूरे मशरूम उद्योग को समझना चाहिए। मशरूम की खेती करने वाले के रूप में आपको इस व्यवसाय के बारे में गहरी समझ होनी चाहिए।

आपके द्वारा मांग विकास उत्पाद शीर्ष कंपनियों आदि पर शोध किया जाना चाहिए। भारत में मशरूम की खेती शुरू करने से पहले आपको एक छोटे कोर्स से गुजरना होगा।

मशरूम की खेती के प्रकार

भारत में आप विभिन्न प्रकार के मशरूम की खेती कर सकते हैं। मशरूम की अधिकांश खेती बटन या सीप मशरूम की होती है, लेकिन इसकी मांग के कारण भारत में धान का मशरूम भी उगाया जाता है। विदेशी मशरूम की खपत इस श्रेणी के मशरूम की बाजार मांग बढ़ा रही है।

बटन मशरूम

बटन मशरूम को एगारिकस बाइस्पोरस भी कहा जाता है। वे भारत में कई तरीकों से उगाए और खाए जाते हैं। यह सेलेनियम, पोटैशियम और फॉस्फोरस का अच्छा स्रोत है। इन्हें खाना एक अच्छा विकल्प है। इसकी बढ़ती मांग है और आकर्षक आय अर्जित करने के लिए जैविक रूप से उगाया जाता है।

ऑइस्टर मशरूम

सीप मशरूम भी मशरूम की सबसे अधिक खपत वाली किस्मों में से एक है, जो इसे खपत में दूसरा सबसे बड़ा बनाती है। इसकी खेती भारत के विभिन्न भागों में की जाती है और आकार में सीप जैसी होती है इसलिए इसे ऑइस्टर मशरूम कहा जाता है। यह विदेशी है और प्रीमियम पर बेचा जाता है। इस मशरूम का स्वाद अच्छा होता है और रेस्तरां और होटलों की वैश्विक श्रृंखलाओं में इसकी उच्च मांग है। सीप मशरूम उगाना बहुत आसान है और यह सूखी खाद जैसे लकड़ी की छीलन, पेपर शेड, कॉफी के मैदान आदि पर पनप सकता है।

धान की भूसी का मशरूम

धान की भूसी मशरूम की सबसे अधिक खपत वाली किस्मों में से एक है। यह विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में उगाया जाता है। इसमें बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है और है इसे पुआल मशरूम के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह भीगे हुए धान के भूसे के बिस्तर पर उगता है।

पैडी स्ट्रॉ मशरूम की खेती में करीब 15 दिन का समय लगता है।

शिटाकी मशरूम

शियाटेक मशरूम एक जापानी किस्म का मशरूम है जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भी खाया जाता है। इस किस्म के मशरूम को उगाने में अधिक मेहनत लगती है। आप इसे चूरा या लकड़ी के लट्टों पर उगा सकते हैं और हर महीने के बाद इनका उत्पादन कर सकते हैं। मशरूम की इस श्रेणी में स्वादिष्ट स्वाद है और यह बेहद स्वस्थ है।

दूधिया मशरूम

दूधिया मशरूम को कैलोसाइबे इंडिका के नाम से जाना जाता है। मशरूम की सबसे पुरानी किस्म होने के कारण, वे सफेद रंग की होती हैं और अन्य मशरूम की तुलना में लंबी शेल्फ लाइफ रखती हैं। आप उन्हें लंबे समय तक स्टोर और उपभोग कर सकते हैं। यह पोषण का पावर हाउस है और आप उन्हें दुनिया भर में बढ़ते हुए देख सकते हैं। यह गर्म या नम स्थिति में भी बढ़ सकता है और इसके लिए अधिक निवेश की आवश्यकता नहीं होती है।

मशरूम बाजार परिदृश्य

मशरूम की बढ़ती मांग के साथ, दुनिया भर में मशरूम की खेती उद्योग का विस्तार हो रहा है। दुनिया भर में मशरूम की खेती का उद्योग स्वास्थ्य समस्याओं और जैविक वस्तुओं के बारे में उपभोक्ताओं की बढ़ती जागरूकता से संचालित हो रहा

है। जीवनशैली में बदलाव भी बाजार के विस्तार में योगदान करते हैं। हालांकि, मशरूम उत्पादन में बदलाव से बाजार का विस्तार प्रभावित हो सकता है। दूसरी ओर, वितरण चैनलों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों का विकास दुनिया भर में बाजार के विकास को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान कर सकता है।

मशरूम की खेती के लिए किस्म चुनें

मशरूम की अलग-अलग किस्मों की उत्पादन लागत अलग-अलग होती है इसलिए उपलब्ध धन की मात्रा और दीर्घकालिक निवेश रिटर्न के आधार पर बजट निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। सामान्य तौर पर, खेती किए गए मशरूम बटन, ऑयस्टर और पैडी स्ट्रॉ मशरूम की तीन किस्में होती हैं।

मशरूम की बागवानी शुरू करने के लिए सीप मशरूम एक उत्कृष्ट प्रजाति है।

वातावरण

मशरूम की खेती करने वाली कंपनी शुरू करते समय मशरूम की खेती के लिए पर्यावरण पर विचार करें। विभिन्न प्रकार के मशरूम को विभिन्न वातावरणों की आवश्यकता होती है। सीप मशरूम, उदाहरण के लिए, 15 से 20 डिग्री सेल्सियस के तापमान, 80 से 90% की आर्द्रता, उत्कृष्ट वेंटिलेशन, प्रकाश और स्वच्छता, अन्य चीजों की आवश्यकता होती है।

खेती के लिए स्पॉन प्राप्त करें
 संस्कृति शुरू करने के लिए, आपने पैदा किया होगा। आप अपना स्पॉन बनाने के लिए या तो एक बाँझ कल्चर का उपयोग कर सकते हैं या विक्रेताओं से रेडी-टू-इनोक्युलेट स्पॉन खरीद सकते हैं। चूंकि इस परिदृश्य में प्रारंभिक लागत महत्वपूर्ण होगी, इसलिए लंबे समय में स्पॉन का उत्पादन सस्ता हो सकता है।

सब्सट्रेट तैयार करें

मशरूम को सेल्यूलोज और लिग्निन सहित कृषि-अपशिष्ट की एक विस्तृत विविधता पर उगाया जा सकता है, जो सेल्यूलोज एंजाइम संश्लेषण में सहायता करता है, जिससे उत्पादन बढ़ता है। धान, गेहूं, रागी की भूसी, मक्का के डंठल और पत्ते, बाजरा और कपास के पत्ते, गन्ने की खोई, चूरा, जूट और कपास का कचरा, सूखी घास, इस्तेमाल की गई चाय पत्ती का कचरा और अन्य सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

इसके अलावा, औद्योगिक कचरे का उपयोग करें जैसे कि पेपर मिलों से कीचड़, कॉफी बचा हुआ, तंबाकू कचरा, आदि। भाप पाश्चराइजेशन, गर्म पानी का उपचार, खाद किण्वन, और रासायनिक नसबंदी सबसे आम सब्सट्रेट तैयार करने की प्रक्रिया है।

बैग

अब आपको सब्सट्रेट करना होगा, बैग को कंपोस्टेड सामग्री से भरना होगा, स्पॉनिंग करना होगा और अंत में इनक्यूबेशन तब तक

करना होगा जब तक परिपक्वता बैग बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा न बन जाए।

ऊष्मायन

किसी भी प्राकृतिक प्रकाश को क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए एक अंधेरे फसल वाले कमरे में एक उच्च मंच पर स्पॉनिंग बैग, बक्से और ट्रे व्यवस्थित करें। मशरूम के प्रकार के अनुसार बढ़ते स्थान में एक समान तापमान बनाए रखें।

मशरूम की खेती में फलन

जबकि विभिन्न प्रजातियों को फलने के दौरान अलग-अलग तापमान व्यवस्था की आवश्यकता होती है, सभी को 70-80% उच्च आर्द्रता की आवश्यकता होती है। क्रॉपिंग चेंबर में नमी के स्तर के आधार पर बार-बार पानी के छिड़काव की जरूरत होती है।

मशरूम का भंडारण करते समय सुरक्षा के उपाय

मक्खियों के स्पिंगटेल और माइट्स पर मशरूम पर हमला करने का संदेह है। फसल में फफूंद रोग और पीले धब्बे, भूरे धब्बे और अन्य जैसे रोग होने की संभावना होती है। हमलों के अनुसार, आपको कुछ विशेष नियंत्रण उपायों को लागू करने की आवश्यकता होगी।

कटाई और भंडारण

कटाई के लिए सर्वोत्तम रूप निर्धारित करने के लिए फलों के शरीर के आकार और आकार का उपयोग किया जा सकता है। बीजाणु मुक्त होने से पहले, मशरूम को चुना जाना चाहिए।

एक क्यूब से सभी मशरूम को एक बार में तोड़ लेना सबसे अच्छा है।

मशरूम प्रसंस्करण व्यवसाय में दो प्रकार के भंडारण होते हैं: दीर्घकालिक और अल्पकालिक। ताजा तोड़े गए मशरूम को कम तापमान (0-5°C) पर दो सप्ताह तक रखा जा सकता है। 2-4 प्रतिशत नमी वाले सूखे मशरूम को बिना स्वाद खोए 3-4 महीने तक सीलबंद पाउच में रखा जा सकता है। आप चेकआउट कर सकते हैं

मशरूम के सामान को पेशेवर रूप से पेश करने की अनुशंसा नहीं की जाती है जब तक कि आपके पास यह स्पष्ट अवधारणा न हो कि आप उन्हें कहां बेचेंगे। अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं के अलावा, रेस्तरां तक पहुंचें।

थोक मशरूम के लिए रेस्तरां उत्कृष्ट ग्राहक हैं। आजकल कंपनियों के लिए एक वेबसाइट होना एक आवश्यकता है। यह न केवल आपके ब्रांड को बेहतर बनाता है बल्कि नए बिक्री चैनल भी खोलता है।

मशरूम की खेती के व्यवसाय के लिए कितने कर्मचारियों की आवश्यकता होती है

चूंकि मशरूम एक कम रखरखाव वाला व्यवसाय है, इसलिए आपको अधिक श्रम रखने की आवश्यकता नहीं है। मशरूम की खेती के लिए उपयोग की जा रही एक एकड़

भूमि के लिए आपको 2 मजदूरों की आवश्यकता होगी जो सिंचाई, खेती और मशरूम के ऊष्मायन की जांच कर सकें।

मशरूम की खेती का फ्लो चार्ट

- खाद तैयार करना (सिंथेटिक और प्राकृतिक प्रकार)
- ट्रें में खाद भरना
- spawning
- झलार
- फसल
- कटाई

मशरूम के बीज की कीमत और जगह

एक किलो बीज के लिए मशरूम के बीज की कीमत 95 रुपये है। यह 1 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है। लागत बीज के ब्रांड और गुणवत्ता पर निर्भर करती है। आपको सबसे पहले यह तय करना होगा कि आप किस प्रकार का मशरूम उगाना चाहते हैं। मशरूम प्रसंस्करण के लिए कुछ अन्य उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की कीमत 120 रुपये भी हो सकती है। यदि आप बीज थोक में खरीदते हैं, तो आप उन्हें कुछ कम दर पर प्राप्त कर सकते हैं।

मशरूम के बीज प्राप्त करने का सबसे अच्छा स्थान सरकारी किसानों से है और वे जिला कार्यालय या आपके ब्लॉक में भी उपलब्ध हो सकते हैं। ऑनलाइन भी आप मशरूम के बीजों की कीमत की तुलना कर सकते हैं और फिर तय कर सकते हैं कि उन्हें कहां से खरीदना है।

घर में मशरूम की खेती कैसे करें?

बटन मशरूम घर पर उगाए जाने वाले सबसे आसान मशरूम में से एक हैं, और इन्हें प्लास्टिक की थैली में उगाया जा सकता है जिसे कहीं भी रखा जा सकता है। कई मशरूम उत्पादक अपनी फसलों की खेती के लिए पुआल या लकड़ी के चिप्स का उपयोग करते हैं। बहुत कम टुकड़ों में काटे जा सकने वाले स्ट्रॉ का उपयोग किया जा सकता है। अगर आप स्ट्रॉ का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़कर पानी में भिगो दें। स्ट्रॉ को उबलते पानी में लगभग 20 से 25 मिनट तक उबालें। इन्हें पानी से निकाल लें और साफ सतह पर ठंडा होने दें। प्लास्टिक की थैली में भूसे की दो-तीन इंच की परत बना लें और ठंडा होने पर उसके ऊपर से स्पॉन बांट दें। परतों को इस तरह से इकट्ठा करें जब तक कि बैग लगभग पूरा न हो जाए। थैलियों में कुछ छेद करें और उन्हें ऊपर से बांध दें। आपको इस प्लास्टिक बैग को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां प्राकृतिक प्रकाश निर्माण में हस्तक्षेप न करे। कृपया इसे अंधेरे कमरे में या एक शेल्फ पर रखें जहां इसका सही वातावरण होगा। इन्हें पानी से निकाल लें और साफ सतह पर ठंडा होने दें। प्लास्टिक की थैली में भूसे की दो-तीन इंच की परत बना लें और ठंडा होने पर उसके ऊपर से स्पॉन बांट दें। परतों को इस तरह से इकट्ठा करें जब तक कि बैग लगभग पूरा न हो

जाए। थैलियों में कुछ छेद करें और उन्हें ऊपर से बांध दें। आपको इस प्लास्टिक बैग को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां प्राकृतिक प्रकाश निर्माण में हस्तक्षेप न करे।

कृपया इसे अंधेरे कमरे में या एक शेल्फ पर रखें जहां इसका सही वातावरण होगा। बहुत कम रोशनी में ही अपने प्लास्टिक बैग की जांच करें। कुछ दिनों के बाद, प्लास्टिक की थैली को हटा दें और मशरूम को आमतौर पर विकसित होने दें। कृपया तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि मशरूम की टोपियां खुल न जाएं और वे पूरी तरह से विकसित न हो जाएं। अपने मशरूम को घुमाकर और उनके डंठल से उठाकर फसल लें।

मशरूम की खेती की उपरोक्त सामग्री

उपरोक्त सामग्री से यह आसानी से समझा जा सकता है कि मशरूम की खेती से किसानों को भारी मुनाफा होता है। उत्पादन की कम लागत के साथ, मशरूम गर्मियों को छोड़कर पूरे वर्ष भर उगाया जा सकता है। मशरूम उगाने वाले उद्योग की मांग ने इच्छुक उद्यमियों के लिए अवसरों की दुनिया खोल दी है। मशरूम की खेती दुनिया भर में बड़े पैमाने पर की जा रही है क्योंकि यह अत्यधिक खाया जाने वाला भोजन है जिसकी मांग लगातार बनी हुई है और यह छोटे जोत वाले किसानों के लिए उपयुक्त है।

अब अगर आप चीजों को अपने लिए आसान बनाना चाहते हैं तो

आपको हमारी वेबसाइट से मशरूम प्रोजेक्ट रिपोर्ट नाबार्ड जरूर खरीदना चाहिए। आप इसे अनुकूलित भी करवा सकते हैं क्योंकि हमारे पास ऐसे विशेषज्ञ हैं जो आपकी इच्छा के अनुसार आपकी परियोजना रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं। आपको प्रत्येक जानकारी विस्तार से मिलेगी जैसे वित्तीय आवश्यकताएं, निवेश, बजट, भूमि, स्थान, कच्चा माल आदि। यह आपके व्यवसाय योजना के हर उद्देश्य को हल करेगा और आप परियोजना में इस व्यवसाय के बारे में सभी संबंधित सहायता प्राप्त कर सकेंगे। प्रतिवेदन। बैंक लोन के लिए बैंक में प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य है तो क्यों न कोई प्रोफेशनल खरीदा जाए।